बस इतनी तमन्ना है | By Mukesh Bagda

दिन हो या अँधेरा हो, चाहे श्याम सवेरा हो
सोऊँ तो सपनो में मैं श्याम तुम्हे देखूं
घनश्याम तुम्हे देखूं .....

बस इतनी तमन्ना है
ऐ श्याम तुम्हे देखूं, घनश्याम तुम्हे देखूं .

सिर मुकुक्ट सुहाना हो, माथे तिलक निराला हो
गल मोतियन माला हो, जब श्याम तुम्हे देखूं
घनश्याम तुम्हे देखूं.....

कानो में हो बाली, लटके लट घुंघराली
अधरों पर हो मुरली, जब श्याम तुम्हे देखूं
घनश्याम तुम्हे देखूं.....

बाज़ूबंद हो बाँहों में, पैंजनिया पाँव में
होंठों पे कुछ हो हंसी जब श्याम तुम्हे देखूं
घनश्याम तुम्हे देखूं.....

चाहे घर हो नंदलाला, कीर्तन हो गोपाला
हर जग के नज़ारो में मैं श्याम तुम्हे देखूं
घनश्याम तुम्हे देखूं.....

कहता है कँवल ऐ किशन सौगात मुझे देदो
जिस और नज़र फेरूं बस श्याम तुम्हे देखूं
घनश्याम तुम्हे देखूं.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ac%e0%a4%b8-%e0%a4%87%e0%a4%a4%e0%a4%a8%e0%a5%80-%e0%a4%a4%e0%a4%ae%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%b9%e0%a5%88-by-mukesh-bagda/